हकेंवि: जोसा के अंतर्गत दाखिला प्रक्रिया में चार कार्यक्रमों में 204 को हुई सीट अलॉट

महेंद्रगढ़| हकेंवि में बी.टेक. कार्यक्रमों में पहले राउंड की काउंसलिंग के अंतर्गत सीटों का आबंटन कर दिया गया है। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में ज्वाइंट सीट

एलोकेशन अथॉरिटी (जोसा) के माध्यम से भी काउंसलिंग का आयोजन हो रहा है। इसके अंतर्गत आने वाले चार बी.टेक. कार्यक्रमों - सिविल इंजीनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में सीटों का आबंटन किया गया है।

विश्वविद्यालय में जोसा प्रवेश के नोडल अधिकारी डॉ. विकास पसरीचा ने बताया कि विश्वविद्यालय में जोसा के अंतर्गत कुल 210 सीटों के लिए काउंसलिंग का आयोजन किया गया था। इनमें से 204 सीटों पर अलॉटमेंट कर दिया गया है। इनमें सिविल इंजीनियरिंग में 60 में से 57, कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 60-60 में से प्रत्येक में 59 तथा प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में 30 में से 29 सीटें विद्यार्थियों को आबंटित की जा चुकी हैं।

इन सीटों पर हुआ पहले राउंड में आवंटन

कार्यक्रम का नाम	सीटें आबंटित	सीटे ओपनिंग रैंक	क्लोजिंग रैंक
सिविल इंजीनियरिंग	60	57	49810 52481
कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	60	59	34174 46197
इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	60	59	52652 62139
प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी	30	29	65588 69736

ये सभी रैंक अनारक्षित सीटों के लिए हैं।

MIYAWAKI FOREST TO BE DEVELOPED

Mahendragarh: The Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has announced the launch of an environmental project aimed at developing the Miyawaki forest on the campus. The Miyawaki method, pioneered by Japanese botanist Akira Miyawaki, involves the creation of dense and native forests in a short span of time. This technique promotes rapid growth and high biodiversity by planting a variety of native species close together. The university said low-maintenance forest can grow up to 10 times faster and become 30 times denser than conventional forests. Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor, CUH, said, "The Miyawaki forest initiative aligns perfectly with our vision of fostering sustainable development and environmental stewardship. We are excited to see our campus become a model for green practices and ecological restoration." District Forest Officer Raj Kumar said the Forest Department has planned to commence planting activities in the upcoming monsoon season and it would be a model for the whole district. He said more Miyawaki forests will be developed in other areas in the future. The proposed forest would cover approximately 2.5 acres of land on the campus. As part of the project, nearly 10,000 saplings will be planted.

Haryana Tribune Thu, 27 June 2024 https://epaper.trib

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ में बनेगा मियावाकी वन

महेंद्रगढ़, 26 जून (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ ने अपने परिसर में जिला वन विभाग द्वारा मियावाकी वन विकसित करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी पर्यावरण हितैषी परियोजना के शुभारंभ की घोषणा की है।

पर्यावरण संरक्षण की पहल : 2.5 एकड़ में विकसित होगा मियावाकी वन

जापानी वनस्पतिशास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित मियावाकी पद्धति में कम समय में घने, देशी वनों का निर्माण किया जाता है। यह तकनीक विभिन्न देशी प्रजातियों को एक साथ सघन रूप से रोपकर तेजी से विकास और उच्च जैव विविधता को बढ़ावा देती है।

इसका परिणाम एक आत्मनिर्भर, कम रखरखाव वाला वन है जो पारंपरिक जंगलों की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ सकता है और 30 गुना अधिक घना हो सकता है। कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने परियोजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि मियावाकी वन लगाने की पहल सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। हम अपने परिसर को हरित और पारिस्थितिक बहाली के लिए एक मॉडल बनते देखकर उत्साहित हैं। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का चयन करने के लिए जिला वन विभाग के प्रति भी आभार व्यक्त किया। कुलपति ने कहा कि यह वन विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला के रूप में काम करेगा, जो पारिस्थितिकी, वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान में व्यावहारिक शिक्षण का अनुभव प्रदान करेगा। परियोजना का उद्देश्य स्थानीय समुदायों में पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पौधारोपण गतिविधियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। मियावाकी वन परिसर के परिदृश्य को निखारने, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए शांत वातावरण प्रदान करने, वायु गुणवत्ता में सुधार करने और मनोरंजक स्थान प्रदान करने में मददगार साबित होगा।

जिला वन अधिकारी राज कुमार ने बताया कि वन विभाग आगामी मानसून अवधि में पौधारोपण गतिविधियां शुरू कर रहा है और हकेवि में बनने वाला मियावाकी जंगल पूरे जिले के लिए एक मॉडल होगा और भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत लगभग 10000 पौधे लगाए जाएंगे। विश्वविद्यालय में ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह पहल स्थिरता और पारिस्थितिक बहाली के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशानुसार, सभी शिक्षण संस्थानों को हरित आवरण बढ़ाने की आवश्यकता है और यह पहल उसी का हिस्सा है।

नवोदय टाइम्स
Thu, 27 June 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75330676

Miyawaki Forest' will be developed in CUH

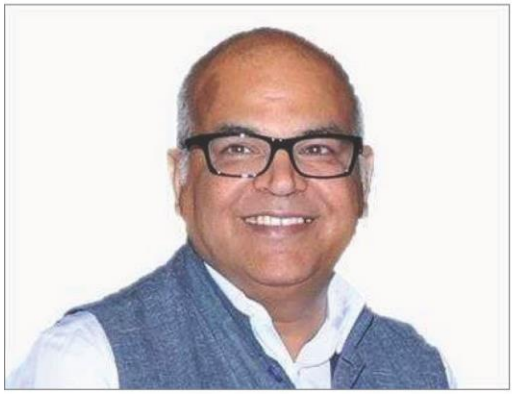

Mahendergarh, 26.06.24-The Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh is proud to announce the launch of an ambitious environmental project aimed at developing a 'Miyawaki Forest' on its campus by District Forest Department, Govt. of Haryana. The Miyawaki method, pioneered by Japanese botanist Akira Miyawaki, involves the creation of dense, native forests in a short span of time. This technique promotes rapid growth and high biodiversity by planting a variety of native species close together. The result is a self-sustaining, low-maintenance forest that can grow up to 10 times faster and become 30 times denser than conventional forests.
Professor Tankeshwar Kumar, Vice-Chancellor of CUH, expressed enthusiasm for the project, stating, "The Miyawaki Forest initiative aligns perfectly with our vision of fostering sustainable development and environmental stewardship. We are excited to see our campus become a model for green practices and ecological restoration." He also thanked District forest department for selecting CUH for this ambitious project.
Prof. Tankeshwar Kumar said that the forest will serve as a living laboratory for students and researchers, providing hands-on learning experiences in ecology, botany, and environmental science. The project aims to involve local communities, raising awareness about environmental conservation and encouraging participation in tree-planting activities. The lush greenery will enhance the campus landscape, providing a serene environment for students, staff, and visitors, while also improving air quality and offering recreational spaces.
Mr. Raj Kumar, District Forest Officer said that the forest department plans to commence planting activities in the upcoming monsoon season and it will be a model for the whole district and more Miyawaki forest will be developed in other arear in future. The proposed forest will cover approximately 2.5 acres of land on the campus, transforming a degraded into a vibrant ecosystem. Total of approx. 10000 plants will be planted.
Prof. Surender Singh, Coordinator, Green Campus Clean Campus Club, CUH said that this initiative reflects the University's commitment to sustainability and ecological restoration. He further added as per direction of Commission for Air Quality Management in National Capital Region and Adjoining Areas, all the education institutes need to increase the green cover and this initiative is part of that

हकेवि में पर्यावरण संरक्षण की पहल को लेकर बनेगा 'मियावाकी वन'

2.5 एकड़ में विकसित होगा मियावाकी वन।

सुरेंद्र चौधरी, गुड़गांव टुडे

नारनौल। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ ने अपने परिसर में जिला वन विभाग द्वारा मियावाकी वन विकसित करने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी पर्यावरण हितैषी परियोजना के शुभारंभ की घोषणा की है। जापानी वनस्पति शास्त्री अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित मियावाकी पद्धति में कम समय में घने, देशी वनों का निर्माण किया जाता है।

यह तकनीक विभिन्न देशी प्रजातियों को एक साथ सघन रूप से रोपकर तेजी से विकास और उच्च जैव विविधता को बढ़ावा देती है। इसका परिणाम एक आत्मनिर्भर, कम रखरखाव वाला वन है जो पारंपरिक जंगलों की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ सकता है और 30 गुना अधिक घना हो सकता है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने परियोजना के प्रति उत्साह व्यक्त करते हुए कहा कि मियावाकी वन लगाने की पहल सतत विकास और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के हमारे दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है।

उन्होंने कहा कि हम अपने परिसर को हरित और पारिस्थितिक बहाली के लिए एक मॉडल बनते देखकर उत्साहित हैं। उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का चयन करने के लिए जिला वन विभाग के प्रति भी आभार व्यक्त किया। कुलपति ने कहा कि यह वन विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए एक जीवंत प्रयोगशाला के रूप में काम करेगा, जो पारिस्थितिकी, वनस्पति विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान में व्यावहारिक शिक्षण का अनुभव प्रदान करेगा। परियोजना का उद्देश्य स्थानीय समुदायों में पर्यावरण संरक्षण के बारे में जागरूकता बढ़ाना और पौधारोपण गतिविधियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

कुलपति ने बताया कि मियावाकी वन परिसर के परिदृश्य को निखारने, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और आगंतुकों के लिए शांत वातावरण प्रदान करने, वायु गुणवत्ता में सुधार करने और मनोरंजक स्थान प्रदान करने में मददगार साबित होगा। जिला वन अधिकारी श्री राज कुमार ने बताया कि वन विभाग आगामी मानसून अवधि में पौधारोपण गतिविधियां शुरू कर रहा है और हकेवि में बनने वाला मियावाकी जंगल पूरे जिले के लिए एक मॉडल होगा और भविष्य में अन्य क्षेत्रों में भी मियावाकी वन विकसित किए जाएंगे। इसके अंतर्गत लगभग 10000 पौधे लगाए जाएंगे।

विश्वविद्यालय में ग्रीन कैंपस क्लीन कैंपस क्लब के समन्वयक प्रोफेसर सुरेंद्र सिंह ने बताया कि यह पहल स्थिरता और पारिस्थितिक बहाली के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशानुसार, सभी शिक्षण संस्थानों को हरित आवरण बढ़ाने की आवश्यकता है और यह पहल उसी का हिस्सा है।

दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर बनाता है योगः प्रो.नवीन कुमार

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हकेवि महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में मनोविज्ञान विभाग व छात्र सेवा प्रकोष्ठ के प्रयासों से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए योग का महत्व विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में विशिष्ठ अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे। चर्चा में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन कुमार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रितु शर्मा सहित हकेवि के योग विभाग के डॉ.अजय पाल ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में उद्घाटन भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.टंकेश्वर कुमार ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे शरीर व मन को स्वस्थ रखने वाला बताया। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य दोनों ही अच्छे होते हैं। दिव्यांगजनों के विषय में योग और भी अधिक लाभकारी है वह उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। कार्यक्रम की शुरुआत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडे ने सभी अतिथियों का परिचय प्रतिभागियों से कराया। आयोजन में सम्मिलित आत्मा और शरीर को एकजुट करने की तकनीक है। सूरदास और स्टीफन हाकिन्स का उदाहरण देकर बताया की शारीरिक अक्षमता का मानसिक क्षमता से कोई संबंध नहीं है और योग मानसिक क्षमता को उन्नत करने में सहायक है। प्रोफेसर ऋतु शर्मा ने भी अपने संबोधन में योग और मानसिक स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर जोर देते हुए बताया कि योग हमें विरासत में मिला है तथा हमें इसका भरपूर उपयोग करना चाहिए। डॉ. अजय पाल ने योग के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की समस्याओं में राहत मिलती है। मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष पायल चंदेल ने पैनल चर्चा का संचालन करते हुए चर्चा को दिशा देते हुए सभी पैनलिस्ट की निर्धारित की गई बातों को सरलता से समझाया। प्रो चंदेल ने संपूर्ण सम्वाद का सार स्थापित करते हुए यह स्पष्ट किया कि योग दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस चर्चा ने सभी प्रतिभागियों को योग के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें अपने जीवन में इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ राजेंद्र प्रसाद

शरीर व मन को स्वस्थ बनाता है योग : कुलपति

हकेवि में आयोजित पैनल चर्चा को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हकेवि महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में मनोविज्ञान विभाग व छात्र सेवा प्रकोष्ठ के प्रयासों से दिव्यांगजनों के लिए योग का महत्व विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में विशिष्ठ अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे। चर्चा में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन कुमार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय की प्रोफेसर रितु शर्मा सहित हकेवि के योग विभाग के डा. अजय पाल ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। कुलपति ने योग के बताया कि योग शरीर व मन को स्वस्थ रखता है। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य दोनों ही अच्छे होते हैं। दिव्यांगजनों के विषय में योग और भी अधिक लाभकारी है वह उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। कार्यक्रम की शुरुआत में विभाग के सहायक आचार्य डा. रवि प्रताप पांडे ने सभी अतिथियों का परिचय प्रतिभागियों से कराया।

आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ प्रो. नवीन कुमार ने बताया कि योग कैसे दिव्यांग की जीवनशैली को सुधार उन्हें आत्मनिर्भर बना सकता है। प्रो. ऋतु शर्मा ने कहा कि योग और मानसिक स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर जोर देते हुए बताया कि योग हमें विरासत में मिला है तथा हमें इसका भरपूर उपयोग करना चाहिए। डा. अजय पाल ने योग के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष पायल चंदेल ने कहा कि योग दिव्यांग के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस चर्चा ने सभी प्रतिभागियों को योग के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें अपने जीवन में इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डा. राजेंद्र प्रसाद मीना भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डा. प्रदीप कुमार ने मनोविज्ञान विभाग और छात्र सेवा प्रकोष्ठ की तरफ से सभी का आभार जताया।

दिव्यांगजन को आत्मनिर्भर बनाता है यो प्रो.: नवीन

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय हकेवि महेंद्रगढ़ में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में मनोविज्ञान विभाग व छात्र सेवा प्रकोष्ठ के प्रयासों से दिव्यांग व्यक्तियों के लिए योग का महत्व विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में विशिष्ठ अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार उपस्थित रहे। चर्चा में दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर नवीन कुमार व इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय कीप्रोफेसर रितु शर्मा सहित हकेवि के योग विभाग के डॉ. अजय पाल ने महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किएकार्यक्रम में उद्घाटन भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे शरीर व मन को स्वस्थ रखने वाला बताया। उन्होंने कहा कि योग के माध्यम से शारीरिक वमानसिक स्वास्थ्य दोनों ही अच्छे होते हैं। दिव्यांगजनों के विषय में योग और भी अधिक लाभकारी है वह उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत बनाता है। कार्यक्रम की शुरूआत में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रवि प्रताप पांडे ने सभी अतिथियों का परिचय प्रतिभागियों से कराया। आयोजन में सम्मिलित विशेषज्ञ प्रो. नवीन कुमार ने बताया कि योग कैसे विकलांग व्यक्तियों की जीवनशैली को सुधार उन्हें आत्मनिर्भर बना सकता है। उन्होंने पाया की योग आत्मा और शरीर को एकजुट करने की तकनीक है। सूरदास और स्टीफन हाकिन्स का उदाहरण देकर बताया की शारीरिक अक्षमता का मानसिक क्षमता से कोई संबंध नहीं है और योग मानसिक क्षमता को उन्नत करने में सहायक है। प्रोफेसर ऋतु शर्मा ने भी अपने संबोधन में योग और मानसिक स्वास्थ्य के बीच के संबंध पर जोर देते हुए बताया कि योग हमें विरासत में मिला है तथा हमें इसका भरपूर उपयोग करना चाहिए। डॉ. अजय पाल ने योग के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक और मानसिक दोनों प्रकार की समस्याओं में राहत मिलती है। मनोविज्ञान की विभागाध्यक्ष पायल चंदेल ने पैनल चर्चा का संचालन करते हुए चर्चा को दिशा देते हुए सभी पैनलिस्ट की निर्धारित की गई बातों को सरलता से समझाया। प्रो. चंदेल ने संपूर्ण सम्वाद का सार स्थापित करते हुए यह स्पष्ट किया कि योग दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है इस चर्चा ने सभी प्रतिभागियों को योग के महत्व के बारे में जागरूक किया और उन्हें अपने जीवन में इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद मीना भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ. प्रदीप कुमार ने मनोविज्ञान विभाग और छात्र सेवा प्रकोष्ठ की तरफ से सभी पैनलिस्ट और उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का धन्यवाद किया।

10th International Day of Yoga celebrated at CUH

Mahendragarh, 21.06.24-On the occasion of 10th International Day of Yoga, students, teachers, scholars, staff members and villagers practiced yoga at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. \Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor; Prof. Suneel Kumar, Registrar of CUH were also present with Dr. Narayan Prakash Giri, Dean, Department of Yoga and Naturopathy, Om Stirling Global University, Hisar was present as the chief guest. Prof. Tankeshwar Kumar said that a healthy body and mind is necessary to stay healthy and it can be achieved only through yoga.

The Vice Chancellor wished everyone on the International Day of Yoga and said that today, every person wants a disease-free healthy life. For which it is necessary to be physically as well as mentally healthy. This is possible only through yoga. If we look at the ancient studies of India, the yoga described in it provides us with the means to achieve a healthy body and mind. Today, the whole world is realizing the importance of yoga and as a result of this, the practice is reaching the entire world community through the International Day of Yoga.

The students of Department of Yoga made all the participants practice yoga under the yoga protocol prescribed by the Ministry of AYUSH. Prof. Narayan Prakash Giri said that a person needs to be healthy to achieve any goal. For a healthy body, a balanced diet, regular exercise, external and internal hygiene and rest are essential. Yoga shows the way to live a healthy life physically and mentally and it is a means for which one does not need to spend much financially.

Prof. Dinesh Gupta, Dean, School of Interdisciplinary and Applied Sciences, gave the outline of the program. Introduction of the chief guest was given by Assistant Professor of Yoga Department Dr. Ajaypal while the Vice Chancellor of the University was introduced by Dean Student Welfare Prof. Anand Sharma. At the end of the program, the Vice Chancellor of the University Prof. Tankeshwar Kumar, Pro Vice-Chancellor Prof. Sushma Yadav and Chief Guest Prof. N.P. Giri awarded certificates to participants in yoga camps and various programs organized by the University. Member of the organizing committee Dr. Kiran Rani conducted the stage while the Assistant Professor of Yoga Department Dr. Naveen gave the vote of thanks.

On this occasion, the Controller of Examination Prof. Rajeev Kaushik, Prof. Kanti Prakash Sharma, Prof. Payal Chandel, Prof. Sunita Tanwar, Prof. Pawan Maurya, Prof. Vikas Garg, Prof. Harish Kumar, Dr. Ramesh Kumar, Dr. Pradeep Kumar, Dr Ashok Sharma, Dr. Neelam, Dr. C.M. Meena, Dr. Devendra Rajput, Dr. Anup Yadav, Shri Rajesh Kumar along with a large number of teachers, officers, employees, students and researchers were present.

हकेंवि में किया योगाभ्यास

महेंद्रगढ़ (हप्र) : दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में आयुष मंत्रालय की ओर से विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों, कर्मचारियों व ग्रामीणों ने योगाभ्यास किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार के साथ मुख्य अतिथि के रूप में ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी, हिसार के योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा विभाग के अधिष्ठाता प्रो. नारायण प्रकाश गिरि उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज के समय में प्रत्येक व्यक्ति रोग मुक्त स्वस्थ जीवन चाहता है। जिसके लिए आवश्यक है कि शारीरिक रूप में स्वस्थ होने के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी दुरुस्त रहे। यह केवल योग के माध्यम से ही संभव है।

महेंद्रगढ़ स्थित हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शुक्रवार को योगाभ्यास करते कुलपति व अन्य। -हप्र

स्वस्थ शरीर व मन का आधार है योग : प्रो. टंकेश्वर कुमार

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में आयुष मंत्रालय की ओर से निर्धारित प्रोटोकॉल के अंतर्गत विद्यार्थियों, शिक्षकों, शोधार्थियों, कर्मचारियों व स्थानीय गांवों के निवासियों ने योगाभ्यास किया। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में समकुलपति प्रो. सुषमा यादव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार के साथ मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. नारायण प्रकाश गिरी उपस्थित रहे। वीसी ने कहा कि स्वस्थ शरीर व मन शत-प्रतिशत निरोगी रहने के लिए आवश्यक है और इसकी प्राप्ति योग के माध्यम से ही संभव है। इस मौके पर प्रो. दिनेश गुप्ता, आचार्य डॉ. अजयपाल, प्रो. आनंद शर्मा, प्रो. राजीव कौशिक, प्रो. कांति प्रकाश शर्मा, प्रो. पायल चंदेल सहित अन्य स्टाफ सदस्य और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

CUH RELEASES COUNSELLING SCHEDULE

Mahendragarh: Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh, has released it's counselling schedule for admission to postgraduate (PG) programmes for the 2024-25 academic session. Vice-Chancellor Tankeshwar Kumar said classes for the session would commence on July 15. Dr Tejpal Dheva, Dr Siddharth Shankar Rai and Dr Sushil Kumar, coordinators of the admission process of CUET for the 2024-25 session said the merit list will be displayed on the university's website on June 21. After which a category-wise list will be released on the university's website June 24. On the basis of which the admissions for the first counselling can be done till June 27 with the payment of fees online. The second counselling will be held on July 1 and if the seats remain vacant, the third counselling will be held on July 8.

Haryana Tribune
Fri, 21 June 202
https://epaper.t

हकेवि महेंद्रगढ़ में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का काउंसलिंग शैड्यूल जारी

पहली काउंसलिंग 24 जून से शुरु

नारनौल, 20 जून (विजय कौशिक): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसलिंग शैड्यूल जारी कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व परिषद शाखा द्वारा काउंसलिंग शैड्यूल के अंतर्गत पहली काउंसलिग 24 जून 2024 से शुरु हो रही है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 की कक्षाएं आगामी 15 जुलाई 2024 से शुरु हो रही हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि सीयूईटी 2024 के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में उपलब्ध 1482 सीटों पर दाखिले के लिए 17778 पंजीकृत आवेदकों की मेरिट लिस्ट शुक्रवार 21 जून को जारी हो रही है। इसके पश्चात 24 जून 2024 को श्रेणीवार लिस्ट वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

जिसके आधार पर पहली काउंसलिंग के दाखिले ऑनलाइन फीस के भुगतान के साथ 27 जून तक हो सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि काउंसलिंग की यह प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से होगी।

नवोदय टाइम्स
Fri, 21 June 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/7529

हकेंवि में स्नातकोत्तर की काउंसलिंग 24 से

महेंद्रगढ़, 20 जून (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसलिंग शैड्यूल जारी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व परिषद शाखा द्वारा काउंसलिंग शैड्यूल के अंतर्गत पहली काउंसलिग 24 जून से शुरू हो रही है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 की कक्षाएं आगामी 15 जुलाई 2024 से शुरू हो रही हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में उपलब्ध 1482 सीटों पर दाखिले के लिए 17778 पंजीकृत आवेदकों की मेरिट लिस्ट शुक्रवार 21 जून को जारी हो रही है। इसके पश्चात 24 जून 2024 को श्रेणीवार लिस्ट वेबसाइट पर जारी की जाएगी। इसके आधार पर पहली काउंसलिंग के दाखिले ऑनलाइन फीस के भुगतान के साथ 27 जून तक हो सकेंगे। दूसरी काउंसलिंग 1 जुलाई और सीटें रिक्त रहने पर तीसरी काउंसलिंग 8 जुलाई को आयोजित की जाएगी।

दैनिक ट्रिब्यून Fri, 21 https://

नए शैक्षणिक सत्र की कक्षाएं 15 जुलाई से शुरू होंगी : प्रो. टंकेश्वर

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसलिंग शेड्यूल जारी कर दिया गया है। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व परिषद शाखा द्वारा काउंसलिंग शेड्यूल के अंतर्गत पहली काउंसलिग 24 जून से शुरु हो रही है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 की कक्षाएं आगामी 15 जुलाई 2024 से शुरु हो रही हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डा. तेजपाल ढ़ेवा, डा. सिद्धार्थ शंकर राय व डा. सुशील कुमार ने बताया कि सीयूईटी के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया में विवि में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में उपलब्ध 1482 सीटों पर दाखिले के लिए 17778 पंजीकृत आवेदकों की मेरिट लिस्ट 21 जून को जारी हो रही है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर के लिए काउंसिलिंग शेड्यूल जारी

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय ने स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसलिंग शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अंतर्गत पहली काउंसलिग 24 जून से शुरू हो रही है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 की कक्षाएं आगामी 15 जुलाई 2024 से शुरू हो रही हैं। काउंसलिंग की यह प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से होगी।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन कर रहे डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि सीयूईटी-2024 के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में उपलब्ध 1482 सीटों पर दाखिले के लिए 17778 पंजीकृत आवेदकों की मेरिट लिस्ट शुक्रवार 21 जून को जारी हो रही है। इसके बाद 24 जून को श्रेणीवार लिस्ट वेबसाइट पर जारी की जाएगी, जिसके आधार पर पहली काउंसलिंग के दाखिले ऑनलाइन फीस के भुगतान के साथ 27 जून तक हो सकेंगे। दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत दूसरी काउंसलिंग 1 जुलाई और सीटें रिक्त रहने पर तीसरी काउंसलिंग 8 जुलाई को आयोजित की

हकेंवि में स्नातकोत्तर कार्यक्रमों का काउंसिलिंग शेड्यूल जारी

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2024-25 हेतु स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में दाखिले के लिए काउंसिलिंग शेड्यूल जारी कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व परिषद शाखा द्वारा काउंसलिंग शेड्यूल के अंतर्गत पहली काउंसिलिंग 24 जून से शुरू की जाएगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2024-25 की कक्षाएं आगामी 15 जुलाई से शुरू की जाएंगी।

डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि सीयूईटी के अंतर्गत जारी दाखिला प्रक्रिया में विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में उपलब्ध 1482 सीटों पर दाखिले के लिए 17778 पंजीकृत आवेदकों की मेरिट लिस्ट शुक्रवार 21 जून को जारी हो रही है।

इसके पश्चात 24 जून 2024 को श्रेणीवार लिस्ट वेबसाइट पर जारी की जाएगी जिसके आधार पर पहली काउंसिलिंग के दाखिले ऑनलाइन फीस के भुगतान के साथ 27 जून तक हो सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि काउंसलिंग की यह प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से होगी।

दाखिला प्रक्रिया के अंतर्गत दूसरी काउंसिलिंग 1 जुलाई और सीटें रिक्त रहने पर तीसरी काउंसिलिंग 8 जुलाई को आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से नए सत्र के अंतर्गत कक्षाओं की शुरुआत 15 जुलाई से होगी।

सामान्य योग का प्रशिक्षण दे रहा हकेंवि

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ का योग विभाग अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले सामान्य योग प्रशिक्षण का अभ्यास विश्वविद्यालय के आसपास के गांवों और सुदूर क्षेत्रों में अपने विद्यार्थियों के माध्यम से दे रहा है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया योग अभ्यास का सामान्य प्रोटोकाल विद्यार्थी जन-सामान्य को करा रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक डा. अजयपाल ने बताया कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का कार्यक्रम बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। यह कार्यक्रम न केवल समाज में योग के प्रति जागरूकता लाता है, बल्कि हमारे विद्यार्थियों को समाज में जाकर योग प्रशिक्षण देने का अवसर भी प्रदान करता है। यह प्रशिक्षण योग विभाग के एमएससी द्वितीय सत्र व चतुर्थ सत्र के विद्यार्थी, शोधार्थी अपने-अपने क्षेत्र में दे रहे हैं। योग एक ऐसी विधा है जिसके माध्यम से शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बनाए रख सकते हैं।

हकेंवि में योग प्रोटोकाल कैंप में भाग लेते शिविरार्थी ● सौ. प्रवक्ता

योग प्रशिक्षण शिविर में बच्चों ने सीखी योग क्रियाएं

संस, जागरण ● मंडी अटेली: क्षेत्र के गुजरवास गांव में श्रीराम सेवा-ट्रस्ट गुजरवास के सौजन्य से बाबा भैया मंदिर परिसर स्थित हनुमान अखाड़ा में 21 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर लगाया जा रहा है। शिविर में यौगिक जागिंग, सूक्ष्म व्यायाम, विभिन्न आसन, प्राणायाम व शरीर शोधन की क्रियाएं सिखाई जा रही हैं। एक जून से इस शिविर का शुभारंभ ग्राम पंचायत गुजरवास की सरपंच वर्षारानी ने किया। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शिविर का समापन होगा। सभी योग साधकों को योग किट दिए जाएंगे। शिविर के 18वें दिन योगीराज ओमप्रकाश आर्य ने योग साधकों को जलनेति, सूत्रनेति, न्योली संचालन व त्राटक के साथ विभिन्न आसन, मुद्रा व प्राणायाम का अभ्यास करवाया। शिविर संयोजक ओपी चौहान ने बताया कि आज उचित खान-पान व रहन सहन के अभाव व भागदौड़ भरी जिंदगी में मनुष्य तनावग्रस्त है। बीमारियों से बचाव के लिए सरल उपाय योगाभ्यास है। बदलती जीवन शैली, घटते शारीरिक श्रम व बदलते खान-पान की वजह से स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ रही हैं। इनसे बचने के लिए योग अभ्यास करना ही होगा।

सामान्य योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण दे रहा हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

महेंद्रगढ़ | हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का योग विभाग अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर होने वाले सामान्य योग प्रशिक्षण का अभ्यास विवि के आसपास के गांवों दिया जा रहा है। विद्यार्थी भारत सरकार के आयुष मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया योग अभ्यास का सामान्य प्रोटोकॉल जन-सामान्य को करा रहे हैं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अजयपाल ने बताया कि प्रशिक्षण योग विभाग के एमएससी द्वितीय सत्र व चतुर्थ सत्र के विद्यार्थी, शोधार्थी अपने-अपने क्षेत्र में दे रहे हैं।

TWO-DAY NATIONAL SEMINAR ENDS

Mahendragarh: A two-day national seminar on Teacher Education and National Education Policy 2020: Prospects and Challenges concluded at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh. In the valedictory session of this seminar organised by the Department of Teacher Education, the Pro-Vice-Chancellor Sushma Yadav was the chief guest. Prof Nandita Shukla and Prof Latika from Panjab University, Chandigarh, and Prof Pradeep Mishra from NEPA, Delhi, were present online in the programme. Prof Yadav congratulated the organisers and highlighted the importance of the concept of NEP. Report of the programme was presented by Dr Renu Yadav. Prof Parmod Kumar expressed his gratitude to the organisers of the programme. Certificates were also awarded to the participants in the valedictory session.

BTech SECOND YEAR ADMISSIONS OPEN

Mahendragarh: The online application process for admissions in BTech second year (third semester) under Lateral Entry Scheme in BTech Printing and Packaging Technology, Civil Engineering, Electrical Engineering and Computer Science and Engineering programmes running under the School of Engineering and Technology at Central University of Haryana (CUH), Mahendragarh has started. Vice-Chancellor Professor Tankeshwar Kumar said the School of Engineering and Technology (SoET) aimed at creating internationally recognised technical professionals with social and corporate responsibility. SoET Dean Phool Singh said 10 seats were available in BTech Printing and Packaging Technology, six in Electrical Engineering, seven each in Civil Engineering and Computer Science and Engineering in Lateral Entry Scheme. He said admission would be based on merit in the entrance test. The last date to apply online for admission is June 20.

Haryana Tribune
Sun, 16 June 2(
https://epaper.

हकेंवि में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स शुरू

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। रिफ्रेशर कोर्स में प्रतिभागियों को संबोधित करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शुक्रवार को ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स की शुरूआत हुई। मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया।

कुलपति ने शोध के महत्व तथा शोध के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने समाज के लाभ और अंततः देश के विकास के लिए अनुसंधान करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया। आयोजन के दूसरे सत्र में प्रो. वीके जैन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक ने माइक्रो और नैनोटेक्नोलॉजी सेंसर पर आधारित व्याख्यान दिया। प्रो. जैन ने एमईएमएस और नैनोटेक्नोलॉजी की उत्पत्ति और इसके भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमित कुमार ने कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह के इस कार्यक्रम में देशभर के 16 राज्यों के 80 शिक्षण संस्थानों के 121 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है।

हकेंवि में शुरू किया गया ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स

महेंद्रगढ़। हकेंवि महेंद्रगढ़ में विज्ञान एवं इंजीनियरिंग में शुक्रवार को ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स की शुरुआत हुई। मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति ने शोध के महत्व तथा शोध के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने समाज के लाभ और अंततः देश के विकास के लिए अनुसंधान करने के लिए प्रतिभागियों को प्रेरित किया।

आयोजन के दूसरे सत्र में प्रो. वी.के. जैन प्रतिष्ठित वैज्ञानिक ने 'माइक्रो और नैनोटेक्नोलॉजी सेंसर' पर आधारित व्याख्यान दिया। प्रो. जैन ने एमईएमएस और नैनोटेक्नोलॉजी की उत्पत्ति और इसके भविष्य पर विस्तार से चर्चा की। इससे पूर्व मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार ने स्वागत भाषण दिया और कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमित कुमार ने कुलपति का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह के इस कार्यक्रम में देशभर के 16 राज्यों के 80 शिक्षण संस्थानों के 121 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कराया है। प्रो. फूल सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन। फोटो : हरिभूमि

योगाभ्यास के साथ विचार गोष्ठी का होगा आयोजन

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां जोरों पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21 जून को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाने जा रहा है। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निदेशोर्ं की अनुपालना करते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के हितधारक मिलकर, इस अभियान को जन अभियान बनाने में लगे हुए हैं।

विश्वविद्यालय में योग विभाग के शिक्षक एवं कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अजय पाल ने बताया कि कार्यक्रम को भव्यता प्रदान करने के लिए विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश गुप्ता के मार्गदर्शन में शिक्षकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और योग से जुड़े साधकों के साथ मिलकर विश्वविद्यालय और आसपास के क्षेत्रों में विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नवीन के सहयोग से विभाग के विद्यार्थियों व शोधार्थियों द्वारा साप्ताहिक योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें स्थानीय प्रबुद्ध लोगों से संपर्क करके वहां के ग्रामीण बच्चों व जनसामान्य को योग प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 21 जून को योग विभाग एक विचार-गोष्ठी का आयोजन भी करेगा, जिसमें ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी हिसार में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा के अधिष्ठाता प्रो. नारायण प्रकाश गिरी मुख्यवक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

हकेंवि में एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित

महेंद्रगढ़, 13 जून (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आठ दिवसीय एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के 135 शिक्षकों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत सरकार की पहलों, सीखने में लचीलापन, उद्यमिता विकास, और अंतःविषय अध्ययन को बढ़ावा देने जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। समापन सत्र में विश्वविद्यालय की सम-कुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सभी संबद्ध क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में देशभर

हकेंवि में 21 जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

महेंद्रगढ़| हकेंवि में 21 जून को विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के निर्देशों की अनुपालना करते हुए विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी, शोधार्थी, विद्यार्थी और विश्वविद्यालय के हितधारक मिलकर, इस अभियान को जन

हकेंवि में एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आठ दिवसीय एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आनलाइन माध्यम से आयोजित इस कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के 135 शिक्षकों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत सरकार की पहलों, सीखने में लचीलापन, उद्यमिता विकास, और अंतःविषय अध्ययन को बढ़ावा देने जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सभी संबद्ध क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञ के रूप में एनसीईआरटी के प्रो. एस.के. यादव, एनआईईपीए के डा. अमित गौतम, प्रो. प्रीति जैन, प्रो. विशाल सूद उपस्थित रहे। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आठ दिवसीय इस कार्यक्रम में देशभर के 120 संकाय सदस्यों तथा 15 शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम में कुल 16 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए।

हकेवि में एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित

महेन्द्रगढ़। चेतना संवाददाता।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आठ दिवसीय एनईपी अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस 9वें अभिविन्यास एवं संवेदीकरण कार्यक्रम में देशभर के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों के 135 शिक्षकों व शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अंतर्गत सरकार की पहलों, सीखने में लचीलापन, उद्यमिता विकास, और अंत:विषय अध्ययन को बढ़ावा देने जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने सभी संबद्ध क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजन की शुरुआत में कार्यक्रम के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व प्रतिभागियों का स्वागत किया। आयोजन में विशेषज्ञ के रूप में एनसीईआरटी के प्रो. एस.के. यादव, एनआईईपीए के डॉ. अमित गौतम; कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की प्रो. प्रीति जैन; हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद; दक्षिण केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. रवि कांत आदि उपस्थित रहे। विशेषज्ञों ने कार्यक्रम के एनईपी विषय पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने अनुसंधान और विकास, उच्च शिक्षा संस्थान की भूमिका, उच्च शिक्षा और समाज, साहित्यिक चोरी, अकादमिक नेतृत्व और शासन, डिजिटलीकरण, अकादमिक नेतृत्व, छात्र विविधता और समावेशी शिक्षा, कौशल विकास, समग्र और बहु-विषयक शिक्षा पर व्याख्यान दिए। कार्यक्रम के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार व उपनिदेशक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि आठ दिवसीय इस कार्यक्रम में देशभर के 120 संकाय सदस्यों तथा 15 शोधार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम में कुल 16 तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। समापन सत्र में कार्यक्रम समन्वयक फार्मास्युटिकल साइंसेज विभाग की डॉ. मनीषा पांडे और बायोकेमिस्ट्री विभाग की डॉ. नीलम ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत की। अंत में प्रो. प्रमोद कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

AAYAM 24' Celebrated at Central University of Haryana

June 12, 2024 07:04 PM

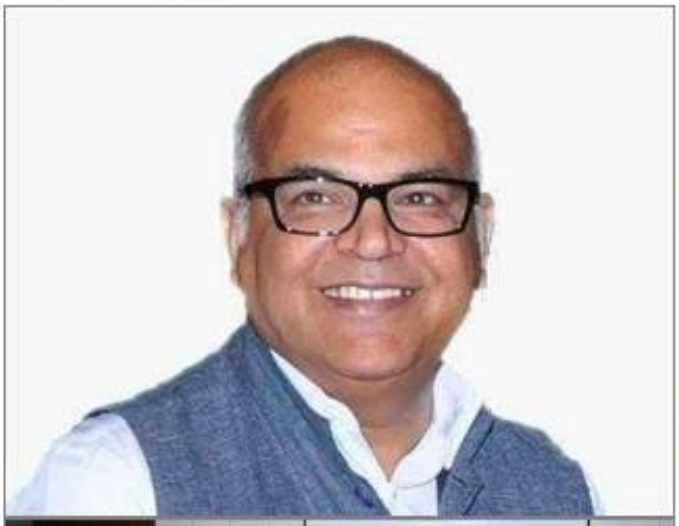

MAHENDERGARH, 12.06.24- The Department of Physics and Astrophysics at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, under the aegis of the Physics Association 'AAVRITI,' hosted its annual function 'AAYAM 24.' The event, graced by the esteemed Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, as the Chief Guest, commenced with the ceremonial lighting of the lamp.

Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, extended his congratulations to the AAVRITI Association headed by vice president Shruti Arya for their successful organization of events throughout the year and wished the final-year students well in their future endeavors. In her welcome address, Prof. Sunita Srivastava, Head of the Department, showcased the department's notable achievements. She emphasized that the AAVRITI association plays a crucial role in the holistic development of students, providing them with opportunities to explore diverse fields.

The Guest of Honor, Prof. Sushma Yadav, Pro-Vice Chancellor, inspired the students to contribute to nation-building and commended the department for its dynamic energy, referring to it as a "Full Energy Power Pack." Further accolades came from the Registrar, Prof. Suneel Kumar, and the Dean of Research, Prof. Pawan Sharma, who both praised the association for its excellent collaborative efforts.

Dr. Ankush Vij, President of the Physics Association, warmly welcomed attendees and highlighted the significance and objectives of the various programs organized by AAVRITI throughout the academic year 2023-2024. These programs included the inaugural event "Tarang," an educational tour to Nainital, the inter-departmental sports day AAVEG, and the two-day academic fest IGNITE, culminating in the annual function AAYAM 24.

The function included prize distributions to winners of various competitions and to association members for their contributions, alongside vibrant cultural performances. The event saw the presence of Department head, faculty members, and students from the Physics and Astrophysics department. The program concluded with a vote of thanks. This annual function marks another milestone in fostering a collaborative and vibrant academic environment at the Central University of Haryana.

'AAYAM 24' Celebrated at Central University of Haryana

MAHENDERGARH(TIT NEWS): The Department of Physics and Astrophysics at the Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh, under the aegis of the Physics Association 'AAVRITI,' hosted its annual function 'AAYAM 24.' The event, graced by the esteemed Vice Chancellor, Prof. Tankeshwar Kumar, as the Chief Guest, commenced with the ceremonial lighting of the lamp. Prof. Tankeshwar Kumar, Vice Chancellor, extended his congratulations

महेंद्रगढ़। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में शिक्षकों व प्रतिभागियों के साथ समकुलपति प्रो. सुषमा यादव। फोटो : हरिभूमि

हकेंवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हो गया। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की प्रो. नंदिता शुक्ला व प्रो. लतिका तथा नि.ई.पा दिल्ली के प्रो. प्रदीप मिश्रा ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि प्रो. सुषमा यादव ने कार्यक्रम के आयोजकों को बधाई दी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों के गुणों व कार्यों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आज के शिक्षक को नवीन तकनीकों का ज्ञान और अपने विषय की विशेषज्ञता में कुशलता, प्रवीणता, दक्षता व क्षमता को बढ़ाना चाहिए।

प्रो. यादव ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं और राष्ट्र निर्माण में उन्हें और अधिक मेहनत के साथ जुटने की आवश्यकता है। आयोजन में मंच का संचालन व कार्यक्रम की रिपोर्ट डॉ. रेनू यादव ने प्रस्तुत की। अंत में शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यक्रम को आयोजित करने वाले आयोजक प्रो. दिनेश चहल, आयोजन समिति, मुख्य अतिथियों और देश भर से उपस्थित विषय विशेषज्ञों व प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

वार्षिक समारोह 'आयाम 24' आयोजित

महेंद्रगढ़, 12 जून (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग ने भौतिकी संघ 'आवृति' के तत्वावधान में बुधवार को वार्षिक समारोह 'आयाम 24' आयोजित किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में तथा विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। भौतिकी संघ के अध्यक्ष डॉ. अंकुश विज ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। आयोजन में मुख्य अतिथि प्रो. टंकेश्वर कुमार ने भौतिकी संघ की उपाध्यक्ष श्रुति आर्य की अध्यक्षता वाली आवृति एसोसिएशन को पूरे वर्ष कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव ने विद्यार्थियों को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया और विभाग की गतिशील ऊर्जा की सराहना करते हुए इसे "पूर्ण ऊर्जा पावर पैक" बताया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार व शोध अधिष्ठाता प्रो. पवन शर्मा ने भी एसोसिएशन के उत्कृष्ट सहयोगात्मक प्रयासों के लिए एसोसिएशन की प्रशंसा की। समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और एसोसिएशन के सदस्यों को उनके योगदान के लिए पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

दैनिक ट्रिब्यून Thu, 13 June https://epape

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना का महत्व बताया

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में शिक्षक शिक्षा व राष्ट्रीय शिक्षा नीति संभावना और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन किया गया। समापन सत्र में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। आयोजन में पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ की प्रो. नंदिता शुक्ला व प्रो. लतिका व निईपा, दिल्ली के प्रो. प्रदीप मिश्रा वर्चुअल उपस्थित रहे। प्रो. सुषमा यादव ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के शिक्षक को नवीन तकनीकों का ज्ञान और अपने विषय की विशेषज्ञता में कुशलता, प्रवीणता, दक्षता व क्षमता को बढ़ाना चाहिए। शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं और राष्ट्र निर्माण में उन्हें और अधिक मेहनत के साथ जुटने की आवश्यकता है।

हकेंवि में वार्षिक समारोह 'आयाम 24' आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग ने भौतिकी संघ आवृति के तत्वावधान में बुधवार को वार्षिक समारोह आयाम 24 आयोजित किया। आयोजन में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार मुख्य अतिथि के रूप में तथा विश्वविद्यालय की समकुलपति प्रो. सुषमा यादव विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। भौतिकी व खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने विभाग की उपलब्धियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आवृति एसोसिएशन विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे उन्हें विविध क्षेत्रों में खोज करने के अवसर मिलते हैं। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला व भौतिकी और खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव व कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार भी उपस्थित रहे। संवाद

केंद्रीय विवि में बीटेक लेटरल एंट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रम में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर तकनीकी प्रोफेशनल तैयार करना है। साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के संचार कौशल, समस्या निदान पर भी जोर दे रहा है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए योग्य एवं औद्योगिक व अनुसंधान अनुभव रखने वाले शिक्षक उपलब्ध हैं। स्कूल के पास आधुनिक उपकरणों एवं नवीनतम अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ समृद्ध पुस्तकालय भी उपलब्ध है। हकेंवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बीटेक कार्यक्रम में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

विद्यार्थियों के संचार कौशल पर भी जोर दे रहा है : प्रो. टंकेश्वर

केंद्रीय विश्वविद्यालय में बीटेक लेटरल एंट्री के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू, आनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून तक है

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नालाजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बीटेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कारपोरेट जिम्मेदारी के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर तकनीकी प्रोफेशनल तैयार करना है। साथ ही विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के संचार कौशल, समस्या निदान पर भी जोर दे रहा है। हकेंवि के स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालाजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बीटेक कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है। उन्होंने बताया कि लेटरल एंट्री स्कीम में बीटेक- प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलाजी में 10, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 6 तथा सिविल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में सात-सात सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिला प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा। उक्त कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून है। इस संबंध में विस्तृत विवरण https://www.cuh.ac.in/leetadmission.aspx पर उपलब्ध है।

प्रो. टंकेश्वर कुमार

प्रोफेसर टंकेश्वर ने किया पुस्तक 'वृद्धि' का विमोचन

भास्कर न्यूज | महेंद्रगढ़

हकेंवि महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को मनोविज्ञान विभाग की प्रो. पायल चंदेल और डॉ. दिव्या वशिष्ठ द्वारा संपादित पुस्तक 'वृद्धिः भारतीय संदर्भ में पश्चय आघातीय वृद्धि' का विमोचन किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मनोविज्ञान के क्षेत्र में संपादकों के इस व्यावहारिक योगदान की सराहना की।

कुलपति ने कहा कि यह पुस्तक अभिघात से बचे लोगों के जीवन के दृष्टिकोण को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी। डॉ. दिव्या वशिष्ठ ने कहा कि यह पुस्तक जीवन की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सकारात्मक ढंग से सामना करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

प्रो. पायल चंदेल ने पुस्तक की बहुमुखी उपयोगिता को रेखांकित करते हुए कहा कि इसे व्यापक दर्शकों को लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसका प्रकाशन हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो ज्ञान को आगे बढ़ाने तथा विद्वानों की उत्कृष्टता के माध्यम से व्यक्तियों की भलाई का समर्थन करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हकेंवि में बीटेक लेटरल एंट्री को ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू

महेंद्रगढ़ | हकेंवि महेंद्रगढ़ में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी का उद्देश्य सामाजिक तथा कॉर्पोरेट जिम्मेदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने वाले पेशेवर तकनीकी प्रोफेशनल तैयार करना है। हकेंवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बी.टेक. कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि लेटरल एंट्री स्कीम में बी.टेक.- प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में 10, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 6 तथा सिविल इंजीनियरिंग व कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में 7-7 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें दाखिला प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा। उक्त कार्यक्रमों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 20 जून 2024 है। इस संबंध में विस्तृत विवरण www. cuh.ac.in/ leetadmission. aspx पर उपलब्ध है।

बीटेक लेटरल एंट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

हकेंवि में 30 सीटों पर प्रवेश परीक्षा के बाद मेरिट लिस्ट के आधार पर होगा प्रवेश

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) महेंद्रगढ़ में बीटेक लेटरल एंट्री के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए 20 जून तक आवेदन किया जा सकता है। 30 सीटों पर प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर दाखिला किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अंतर्गत संचालित प्रिंटिंग व पैकेजिंग टेक्नोलॉजी, सिविल इंजीनियरिंग, इलैक्ट्रिकल इंजीनियरिंग व कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए योग्य एवं औद्योगिक व अनुसंधान अनुभव रखने वाले शिक्षक उपलब्ध हैं। स्कूल के पास आधुनिक उपकरणों एवं नवीनतम अनुसंधान सुविधाओं से सुसज्जित प्रयोगशालाओं के साथ समृद्ध पुस्तकालय भी उपलब्ध है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय। संवाद

20

जून तक प्रवेश के लिए आवेदन किए जा सकते हैं

हकेंवि के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के अधिष्ठाता प्रो. फूल सिंह ने बताया कि बी.टेक. कार्यक्रमों में लेटरल एंट्री स्कीम के अंतर्गत बी.टेक-द्वितीय वर्ष (तृतीय सेमेस्टर) प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरु हो गई है।

इसमें लेटरल एंट्री स्कीम में बी.टेक. प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में 10, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 6 व सिविल इंजीनियरिंग व कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग में 7-7 सीट उपलब्ध हैं। इनमें दाखिला प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर होगा।

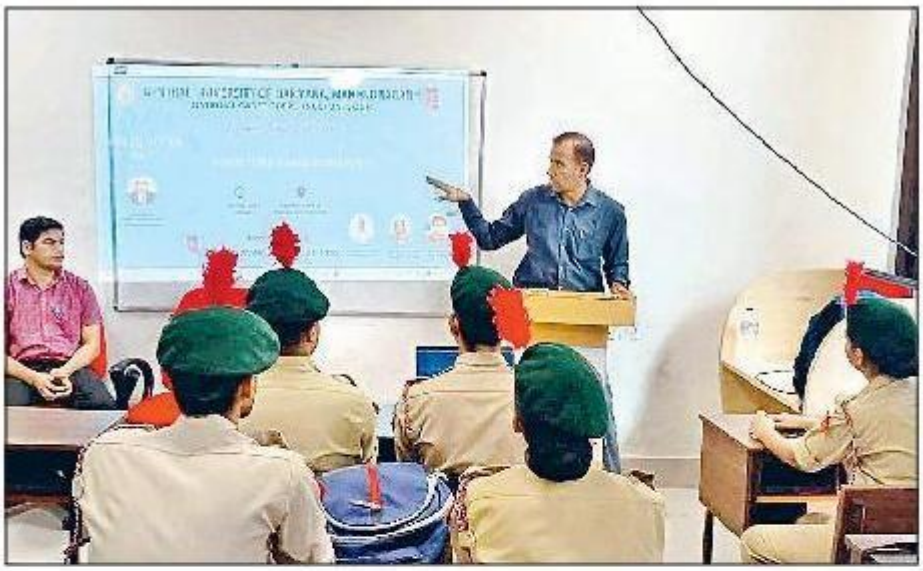

हकेंवि में वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। विश्व महासागर दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी इकाई द्वारा समुद्री जैव विविधता की रक्षा करें विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में एनसीसी अधिकारी प्रो. रमेश कुमार ने महासागर और समुद्री जैव विविधता के बारे में चर्चा की और बताया कि वे मानव जीवन के लिए कैसे फायदेमंद हैं। उन्होंने कहा कि हमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग अपनी आवश्यकताओं के अनुसार करना चाहिए। विश्व महासागर दिवस के अवसर पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में 15 एनसीसी कैडेट्स ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम के अंत में डिप्टी एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

शिक्षक ही राष्ट्र का निर्माता है : प्रो. दीप्ति

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेंवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह, हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वीएन यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आरएस यादव उपस्थित रहे।

प्रो. दीप्ति धर्माणी को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ● सौ. प्रवक्ता

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। शिक्षक ही आज के समय में राष्ट्र का निर्माता है और उसकी भूमिका गुरु के पवित्र भाव से भरपूर होती है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने शिक्षकों के सात प्रमुख गुणों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज के समय में तकनीक और परंपरागत शिक्षा व्यवस्था का बेजोड़ समावेश देखने को मिलता है। विषय का ज्ञान एक अच्छे शिक्षक के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि का परिचय सेमिनार के समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया जबकि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का परिचय शिक्षक शिक्षा विभाग के प्रो. नंद किशोर ने प्रतिभागियों से कराया। कार्यक्रम के दौरान मंच का संचालन व धन्यवाद ज्ञापन सेमिनार समन्वयक डा. रेनु यादव ने दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार, प्रो. सुरेंद्र सिंह, प्रो. पवन कुमार मौर्य, प्रो. बीपी यादव सहित विभाग के शिक्षक, विद्यार्थी व शोधार्थी उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों से चर्चा करते प्रो. रमेश कुमार ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण ● महेंद्रगढ़: विश्व महासागर दिवस के उपलक्ष्य में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी इकाई द्वारा 'समुद्री जैव विविधता की रक्षा करें' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में एनसीसी अधिकारी प्रो. रमेश कुमार ने महासागर और समुद्री जैव विविधता के बारे में चर्चा की और बताया कि वे मानव जीवन के लिए कैसे फायदेमंद हैं। उन्होंने कहा कि हमें प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग अपनी आवश्यकताओं के अनुसार करना चाहिए। विश्व महासागर दिवस के अवसर पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में 15 एनसीसी कैडेट ने भाग लिया। अंत में एनसीसी अधिकारी नरेश कुमार ने धन्यवाद किया।

शिक्षक शिक्षा के लिए मूल्यवर्धित शिक्षा आवश्यकः प्रो. दीप्ति धर्माणी

हकेवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की हुई शुरुआत

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ में सोमवार को शिक्षक शिक्षा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीतिः संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर केंद्रित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार की शुरुआत हुई। विश्वविद्यालय के शिक्षक शिक्षक विभाग के द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय सेमिनार के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय (सीबीएलयू), भिवानी की कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने की। आयोजन के पहले दिन विशेषज्ञ वक्ता के रूप में जामिया मिलिया इस्लामिया की प्रो. सारिका शर्मा; राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (एनसीईआरटी) के प्रो. गौरव सिंह; हकेवि के पूर्व प्रोफेसर वी.एन. यादव तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो. आर.एस यादव उपस्थित रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. दीप्ति धर्माणी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संकल्पना के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बदली परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक है कि शिक्षण की प्रक्रिया भी बदले। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक सूचना प्रदाता, संसाधनों का विकासकर्ता, ज्ञान का सृजन करने वाला होता है। शिक्षक ही आज के समय में राष्ट्र का निर्माता है और उसकी भूमिका गुरु के पवित्र भाव से भरपूर होती है। प्रो. दीप्ति ने अपने संबोधन में बदलते परिवेश में तकनीकी विकास व सूचना प्रौद्योगिकी के बढ़ते प्रयोग को देखते हुए शिक्षा प्रणाली में आ रहे बदलावों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने शिक्षकों के लिए आवश्यक कौशल व डिजिटल सशक्तिकरण के महत्त्व पर भी प्रकाश डाला और शिक्षा को कर्म के धर्म से जोड़ते हुए सभी को अपने कर्म के प्रति ईमानदारी के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। प्रो. दीप्ति ने नई शिक्षा नीति में आधुनिक बदलावों के साथ-साथ भारतीय ज्ञान परंपरा व मूल्यवर्धित शिक्षा के समावेश को भी आवश्यक बताया।

एसपीएआरसी द्वारा प्रायोजित 7 दिवसीय कार्यशाला का समापन

महेंद्रगढ़, 7 जून (मोहन, परमजीत): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय महेंद्रगढ़ के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से सात दिवसीय 'स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ अकादमिक एंड रिसर्च कोलेब्रेशन' (एसपीए आरसी) द्वारा प्रायोजित कार्यशाला का समापन हो गया। न्यूट्रीजीनोमिक्स और खाद्य प्रौद्योगिकी पर केंद्रित इस कार्यशाला के आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलपति टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि बढ़ती जनसंख्या और मानव सेहत को ध्यान में रखते हुए हमें खाद्य पादपों और उनके उत्पादों के पोषक तत्वों पर विशेष रिसर्च रणनीति के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला खाद्य अनुसंधान में उन्नति करने में मददगार साबित होगी।

कार्यशाला के समापन सत्र में उपस्थित विशेषज्ञ एवं प्रतिभागी।

चंडीगढ़ में आयोजित इस कार्यशाला के समापन के सत्र में प्लांट जीनोमिक्स की प्रसिद्ध एवं वर्ष 2020 और 2023 की 'वीमेन साइंटिस्ट ऑफ़ द ईयर' पुरस्कार हासिल करने वाली डॉ. हुमिरा सोनाह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने सतत भविष्य निर्माण की दिशा में बहुमूल्य अंतदृष्टि और प्रेरक प्रयासों पर जोर दिया।

पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रेनू विग ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक रही है, और इस प्रयास से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अनुसंधान को आने वाले समय में बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला के समापन सत्र में प्रो. कश्मीर सिंह, डॉ. रुपेश देशमुख, डॉ. हुमैरा सोनाह, और डॉ. संतोष कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो. कश्मीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

नवोदय टाइम्स Sat, 08 June 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75226240

जैव प्रौद्योगिकी की ओर से विश्वविद्यालय में सात दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से सात दिवसीय स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ अकादमिक एंड रिसर्च कोलेब्रेशन (एसपीएआरसी) द्वारा प्रायोजित कार्यशाला का समापन हो गया। न्यूट्रीजीनोमिक्स और खाद्य प्रौद्योगिकी पर केंद्रित इस कार्यशाला के आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि बढ़ती जनसंख्या और मानव सेहत को ध्यान में रखते हुए हमें खाद्य पादपों और उनके उत्पादों के पोषक तत्वों पर विशेष रिसर्च रणनीति के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला खाद्य अनुसंधान में उन्नति करने में मददगार साबित होगी। चंडीगढ़ में

महेंद्रगढ़। कार्यशाला के समापन सत्र में उपस्थित विशेषज्ञ व प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

आयोजित इस कार्यशाला के समापन के सत्र में प्लांट जीनोमिक्स की प्रसिद्ध एवं वर्ष 2020 और 2023 की वीमेन साइंटिस्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार हासिल करने वाली डॉ. हुमिरा सोनाह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रही। उन्होंने सतत भविष्य निर्माण की दिशा में बहुमूल्य अंतदृष्टि और प्रेरक प्रयासों पर जोर दिया। पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रेनू विग ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक रही है, और इस प्रयास से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अनुसंधान को आने वाले समय में बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला के समापन सत्र में प्रो. कश्मीर सिंह, डॉ. रुपेश देशमुख, डॉ. हुमैरा सोनाह, और डॉ. संतोष कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो. कश्मीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेंवि को परिणाम आधारित शिक्षा में उत्कृष्टता के लिए मिली ओबीई रैंकिंग

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: शैक्षणिक संस्थानों की ओबीई रैंकिंग 2024 जारी कर दी गई है। इसमें हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ को प्लेटिनम बैंड में प्रमुख संस्थान के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। विश्वविद्यालय को परिणाम आधारित शिक्षा (आउटकम बेस्ड एजुकेशन) में उत्कृष्टता के लिए रैंक दिया गया है। विश्वविद्यालय सहभागियों को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि हमारा विश्वविद्यालय परिणाम आधारित शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है क्योंकि हमारा पाठ्यक्रम और सभी शैक्षणिक गतिविधियां राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप हैं। हम अपनी शैक्षणिक गतिविधियों में सभी मोर्चों पर गुणवत्ता को और बढ़ाने तथा बनाए रखने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। कुलपति ने इस सफलता के लिए अधिकारियों, विभागाध्यक्षों, कर्मचारियों व अन्य को बधाई दी।

हकेंवि में सात दिवसीय कार्यशाला का समापन

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से सात दिवसीय 'स्कीम फार प्रमोशन आफ अकादमिक एंड रिसर्च कोलेब्रेशन' (एसपीएआरसी) द्वारा प्रायोजित कार्यशाला का समापन हो गया। न्यूट्रीजीनोमिक्स और खाद्य प्रौद्योगिकी पर केंद्रित इस कार्यशाला के आयोजन पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अपने संदेश में कहा कि बढ़ती जनसंख्या और मानव सेहत को ध्यान में रखते हुए हमें खाद्य पादपों और उनके उत्पादों के पोषक तत्वों पर विशेष रिसर्च रणनीति के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अवश्य ही यह कार्यशाला खाद्य अनुसंधान में उन्नति करने में मददगार साबित होगी।

चंडीगढ़ में आयोजित इस कार्यशाला के समापन के सत्र में प्लांट जीनोमिक्स की प्रसिद्ध एवं वर्ष 2020 और 2023 की 'वीमेन साइंटिस्ट आफ़ द ईयर' पुरस्कार हासिल करने वाली डा. हुमिरा सोनाह विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने सतत भविष्य निर्माण की दिशा में बहुमूल्य अंतदृष्टि और प्रेरक प्रयासों पर जोर दिया। पंजाब विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रेनू विग ने कहा कि यह कार्यशाला विद्यार्थियों के लिए अत्यंत लाभदायक रही है, और इस प्रयास से हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ और पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के जैव प्रौद्योगिकी विभाग में अनुसंधान को आने वाले समय में बढ़ावा मिलेगा। कार्यशाला के समापन सत्र में प्रो. कश्मीर सिंह, डा. रुपेश देशमुख, डा. हुमैरा सोनाह, और डा. संतोष कुमार उपाध्याय उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रो. कश्मीर सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हकेवि के कुलपति आउटस्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़, 6 जून (ब्यूरो): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आउटस्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता व प्रौद्योगिकी के विकास में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एंड साइंटिफिक रिसर्च (आईटीएसआर) व द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर द्वारा प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्कृष्टता व प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कुलपति ने आईटीएसआर अवार्ड 2024 से सम्मानित किए जाने पर आईटीएसआर, जयपुर के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार; द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर के इंजीनियर श्री महेंद्र कुमार चौहान व सचिव डॉ. हेमंत गर्ग के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

नवोदय टाइम्स Fri, 07 June 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/7520

हकेंवि के कुलपति टंकेश्वर कुमार आउटस्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आउटस्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड-2024 से सम्मानित किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता व प्रौद्योगिकी के विकास में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एंड साइंटिफिक रिसर्च (आईटीएसआर) व द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर द्वारा प्रदान किया गया। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्कृष्टता व प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

- **आईटीएसआर व द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) ने किया सम्मानित**

हकेंवि में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स की हुई शुरूआत

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सोशल साइंस, मैनिटी एंड एजुकेशन पर केंद्रित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स की शुरूआत हुई। मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति पर चर्चा की गई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति ने शिक्षा की गुणवत्ता को महत्त्वपूर्ण बताते हुए इस दिशा में विशेष प्रयासों पर जोर दिया। आयोजन में विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने नई

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का भवन।

शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि कैसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति शैक्षणिक ढांचे में सुधार लाने में सहायक हो सकती है। प्रो. सीरिश पाल सिंह ने शोध आधारित अवधारणाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रो. लतिका शर्मा ने शैक्षिक नवाचारों पर जोर देते हुए बताया कि किस प्रकार नई-नई शिक्षण पद्धतियों का उपयोग करके शिक्षा को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय की 16 हरियाणा बटालियन एनसीसी इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. खेराज विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत में एएनओ प्रो. रमेश कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित किया। आयोजन में विशेषज्ञ डॉ. खेराज ने पारिस्थितिकी तंत्र के जटिल संतुलन और पर्यावरण क्षति के परिणामों पर चर्चा की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कैसे पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान पहुंचाने के व्यापक दुष्परिणाम हो सकते हैं और इससे सभी लोग प्रभावित होंगे। इस अवसर पर उन्होंने उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग और भूमि क्षरण पर इसके प्रभाव पर भी ध्यान केंद्रित किया गया। डॉ. खेराज ने हरित क्रांति का जिक्र करते हुए कहा कि खाद्यान्न की बढ़ती मांग ने आधुनिक कृषि तकनीकों को जन्म दिया। इससे खाद्यान्न उत्पादन को बढ़ावा दिया, लेकिन रासायनिक उर्वरकों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण मिट्टी की सेहत को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि खाद्यान्न उत्पादन में हरित क्रांति के अल्पकालिक लाभ ने दीर्घकालिक पारिस्थितिक परिणामों के लिए मंच तैयार किया।

हकेंवि के कुलपति टंकेश्वर को आउटस्टैंडिंग लीडरशिप अवार्ड

हकेंवि कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार को अवार्ड देते कुल सचिव सुनील कुमार • सौ. प्रवक्ता

संस, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आउटस्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता व प्रौद्योगिकी के विकास में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंस्टीट्यूट आफ टेक्निकल एंड साइंटिफिक रिसर्च (आइटीएसआर) व द इंस्टीट्यूट आफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर द्वारा प्रदान किया गया। कुलपति ने अवार्ड को लेकर कहा कि हकेंवि सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विवि में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयास जारी हैं।

हकेवि के कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार आउटस्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित

आईटीएसआर व द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स ने किया सम्मानित

महेन्द्रगढ, चेतना संवाददाता। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार को आउटस्टेंडिंग लीडरशिप अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है। प्रो. टंकेश्वर कुमार को यह सम्मान शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता, नेतृत्व क्षमता व प्रौद्योगिकी के विकास में उनके योगदान के लिए प्रदान किया गया है। कुलपति को यह सम्मान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल एंड साइंटिफिक रिसर्च (आईटीएसआर) व द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर द्वारा प्रदान किया गया।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने अवार्ड प्राप्त करने के बाद कहा कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय सभी सहभागियों के साथ निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु योजनागत रूप से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के परिणामस्वरूप उत्कृष्टता व प्रौद्योगिकी विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। कुलपति ने आईटीएसआर अवार्ड 2024 से सम्मानित किए जाने पर आईटीएसआर, जयपुर के निदेशक डॉ. प्रशांत कुमार; द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), राजस्थान स्टेट सेंटर, जयपुर के इंजीनियर महेंद्र कुमार चौहान व सचिव डॉ. हेमंत गर्ग के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

हकेंवि में ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स शुरू

महेंद्रगढ़ | हकेंवि में सोशल साइंस, ह्यूमैनिटी एंड एजुकेशन पर केंद्रित ऑनलाइन रिफ्रेशर कोर्स की शुरुआत हुई। मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में शिक्षा की गुणवत्ता और नई शिक्षा नीति पर चर्चा की गई।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। कुलपति ने शिक्षा की गुणवत्ता को महत्त्वपूर्ण बताते हुए इस दिशा में विशेष प्रयासों पर जोर दिया। विश्वविद्यालय के शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. संजीव कुमार ने नई शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की। प्रो. सीरिश पाल सिंह ने शोध आधारित अवधारणाओं पर अपने विचार प्रस्तुत किए। प्रो. लतिका शर्मा ने शैक्षिक नवाचारों पर जोर दिया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. दिनेश चहल ने प्रस्तुत किया। निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार और प्रो. सुरेंद्र सिंह ने बताया कि 15 दिनों के इस कोर्स में देशभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों से 161 प्रतिभागियों ने हिस्सा ले रहे हैं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक जरूरी : प्रो. टंकेश्वर

महेन्द्रगढ़ के हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रतिनिधियों को संबोधित करते प्रो. टंकेश्वर कुमार। -हप

महेन्द्रगढ़, 5 जून (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि) के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हुई। इसकी शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक सर्वोत्तम योगदान दें।

शिक्षा पीठ के डीन प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में बीते वर्ष शुरू हुए आईटीईपी के लिए यह आयोजन अहम प्रयास है। कार्यक्रम और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के पहले दिन विशेषज्ञ के रूप में एनसीईआरटी के शिक्षक शिक्षा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. एसके यादव, कुवि के शिक्षा संकाय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आरएस यादव, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की शिक्षा संकाय की अधिष्ठाता प्रो. वंदना पुनिया, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद, सीडीएलयू सिरसा के प्रो. राजकुमार, एनसीईआरटी की पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता सरोज बाला, हकेवि के पूर्व प्रो. वीएन यादव, प्रो. पायल चंदेल, प्रो. जेपी भूकर, प्रो. प्रमोद कुमार, प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने विचार व्यक्त किए।

'राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक आवश्यक'

दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र के अवसर पर उपस्थित कुलपति प्रो . टंकेश्वर कुमार व विशेषज्ञ ● सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण. महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बुधवार से दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन प्रोग्राम (आइटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला की शुरुआत हो गई। इस कार्यशाला का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विभिन्न विश्वविद्यालयों व शिक्षण संस्थानों से आए विशेषज्ञ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में किया। कुलपति ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। इसके लिए आवश्यक जरुरी है कि विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षक योग्य हों और वे बदलते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल सम्पन्न हों। यह आयोजन अवश्य ही इस दिशा में सहयोगी साबित होगा। शिक्षा व्यवस्था में हो रहे बदलावों के परिणाम स्वरुप आवश्यक है कि एक शिक्षक योग्य शिक्षक होने के साथ-साथ एक बेहतर इंसान भी हो। शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया। विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व और उद्देश्यों की जानकारी दी और बताया कि

पौधारोपण के साथ विशेषज्ञ व्याख्यान का हुआ आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण अभियान के बाद प्रतिभागियों के साथ कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार • सौ. प्रवक्ता

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़: हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधारोपण अभियान व विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस वर्ष विश्वविद्यालय के पर्यावरण अध्ययन विभाग के द्वारा 'भूमि पुनरुद्धार, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता' की थीम पर केंद्रित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आयोजन में पर्यावरण संरक्षण के महत्त्व का उल्लेख करते हुए पौधे लगाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया गया। समारोह की शुरुआत एट विरिडी फाउंडेशन के सहयोग से असीमा चटर्जी महिला छात्रावास में पौधारोपण अभियान के साथ हुई। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों के साथ मिलकर इस अभियान में योगदान दिया और विश्वविद्यालय व स्थानीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाने का संदेश दिया। पौधरोपण अभियान के बाद, डीआरडीओ, नई दिल्ली के वैज्ञानिक डा. प्रीतम सांगवान द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिया गया। विश्वविद्यालय की शोध अधिष्ठाता प्रो. नीलम सांगवान ने कहा कि पृथ्वी पर सभी जीवित चीजों के अस्तित्व और विकास में पर्यावरण महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस अवसर पर प्रो. सुरेंद्र सिंह, डा. अनीता सिंह, डा. दुष्यंत कुमार, डा. विक्रम कुमार, डा. स्मिता, डा. भूपेंद्र कुमार, डा. खेराज, डा. सीएम मीना, शोधार्थी, विद्यार्थी तथा अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम के समन्वयक डा. अनूप यादव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सफलता के लिए योग्य शिक्षक आवश्यक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि) में बुधवार को दो दिवसीय इंटीग्रेटेड टीचर एजुकेशन कार्यक्रम (आईटीईपी) पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला का शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला में विभिन्न विश्वविद्यालयों, शिक्षण संस्थानों से विशेषज्ञ प्रतिनिधियों भागीदारी कर रहे हैं। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफलतम क्रियान्वयन में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है और इसके लिए आवश्यक है कि योग्य शिक्षक अपना सर्वोत्तम योगदान प्रदान करें।

शिक्षा पीठ के अधिष्ठाता प्रो. रविंद्र पाल अहलावत ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और सभी उपस्थित विशेषज्ञों व मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। शिक्षक शिक्षा पीठ के विभागाध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार ने कार्यशाला के महत्त्व और उद्देश्यों के बारे में बताया। कार्यक्रम और कार्यशाला के समन्वयक प्रो. नंद किशोर ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया।

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कि आज के समय में बेहद जरूरी है कि विद्यार्थियों को पढ़ाने वाले शिक्षक योग्य हो और वे बदलते हुए समय की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल सम्पन्न हों। उन्होंने कौशल विकास को प्रत्येक विद्यार्थी के लिए उपयोगी बताया।

इस दौरान प्रो. एसके यादव, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. आरएस यादव, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की प्रो. वंदना पुनिया, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. विशाल सूद, सीडीएलयू सिरसा के प्रो. राजकुमार, एनसीईआरटी की पूर्व शैक्षणिक अधिष्ठाता प्रो. सरोज बाला, हकेंवि के पूर्व प्रो. वीएन यादव मौजूद रहे।

WORKSHOP ON NUTRIGENOMICS

Mahendergarh: The Central University of Haryana (CUH), Mahendergarh is organising a workshop on Nutrigenomics and Food Technology in collaboration with Panjab University, Chandigarh. The workshop is being sponsored by the Scheme for Promotion of Academic and Research Collaboration (SPARC) and is a collaborative effort involving three universities, including McGill University, Canada. Vice-Chancellors of CUH University, Professor Takeshwar Kumar is overseeing the day-to-day activities of the workshop to ensure its success. Professor Kashmir Singh from Panjab University is leading this workshop as the principal investigator, with Dr Rupesh Deshmukh from the Central University of Haryana and Dr Santosh Upadhyay from Panjab University serving as co-principal investigators. Professor Ajjamada Kushalappa and Professor Hosahalli S. Ramaswamywould also be investigating from McGill University. The one-week workshop will facilitate the acceleration of research in this frontier area, ensuring sustainable food security. TNS

Haryana Tribune Tue, 04 June 2024 https://epaper.tribun

खाद्य प्रौद्योगिकी विषय पर कार्यशाला आयोजित

सात दिवसीय कार्यशाला में उपस्थित विशेषज्ञ और प्रतिभागी ● सौ. प्रवक्ता।

संवाद सहयोगी, जागरण ●

महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ द्वारा न्यूट्रीजीनोमिक्स और खाद्य प्रौद्योगिकी पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के सहयोग से चंडीगढ़ में आयोजित यह कार्यशाला 'स्कीम फार प्रमोशन आफ अकादमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन' (एसपीएआरसी) द्वारा प्रायोजित है और यह मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा सहित तीन विश्वविद्यालयों को शामिल करने वाला एक सहयोगात्मक प्रयास है। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कश्मीर सिंह इस कार्यशाला का नेतृत्व मुख्य अन्वेषक के रूप में कर रहे हैं और इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से आयोजकों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यशाला में हकेवि के डा. रूपेश देशमुख और पंजाब विश्वविद्यालय के डा. संतोष उपाध्याय सह-मुख्य अन्वेषक के रूप में कार्य कर रहे हैं। मैकगिल विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. अज्जामदा कुशलप्पा और प्रोफेसर होसाहल्ली एस. रामास्वामी भी अन्वेषक के रूप मे इस कार्यशाला में प्रतिभागिता कर रहे हैं।

हकेवि का सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

- पंजाब विश्वविद्यालय के सहयोग से चंडीगढ़ में हो रहा है आयोजन

रणघोष अपडेट. महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ द्वारा न्यूट्रीजीनोमिक्स और खाद्य प्रौद्योगिकी पर सात दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ के सहयोग से चण्ड़ीगढ़ में आयोजित यह कार्यशाला 'स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ़ अकादमिक एंड रिसर्च कोलैबोरेशन' (एसपीएआरसी) द्वारा प्रायोजित है और यह मैकगिल विश्वविद्यालय, कनाडा सहित तीन विश्वविद्यालयों को शामिल करने वाला एक सहयोगात्मक प्रयास है।इस कार्यशाला की शुरुआत के अवसर पर दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने आयोजन हेतु अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित की। पंजाब विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कश्मीर सिंह इस कार्यशाला का नेतृत्व मुख्य अन्वेषक के रूप में कर रहे हैं और इसी क्रम में हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार की ओर से आयोजकों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया जा रहा है। इस कार्यशाला में हकेवि के डॉ. रूपेश देशमुख और पंजाब विश्वविद्यालय के डॉ. संतोष उपाध्याय सह-मुख्य अन्वेषक के रूप में कार्य कर रहे हैं। मैकगिल विश्वविद्यालय की ओर से प्रो. अज्जामदा कुशलप्पा और प्रोफेसर होसाहल्ली एस. रामास्वामी भी अन्वेषक के रूप मे इस कार्यशाला में प्रतिभागिता कर रहे हैं। आयोजको का कहना है कि एक सप्ताह की यह कार्यशाला इस क्षेत्र में जारी अनुसंधान को गति प्रदान कर स्थायी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में मददगार होगी।

हकेवि में पीजी कार्यक्रमों के लिए बढ़ाई गई ऑनलाइन पंजीकरण तिथि

महेंद्रगढ़, 31 मई (ब्यूर): हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण की तिथि 31 मई 2024 से बढ़ाकर अब 15 जून, 2024 कर दी गई है। इसके साथ ही पंजीकरण में संशोधन हेतु आगामी 16 जून से 18 जून 2024 तक करेक्शन विंडों अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी बढ़ी हुई तारीख के माध्यम से लाभांवित होंगे। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया की तिथि 31 मई, 2024 से बढ़ाकर 15 जून, 2024 कर दी गई है। इसके साथ-साथ अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु 16 जून से 18 जून 2024 तक करेक्शन विंडों भी अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी। इसमें अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से रजिस्ट्रेशन फॉर्म में संशोधन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। जिसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

अब 15 जून तक कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीकरण

नवोदय टाइम्स Sat, 01 June 2024
https://epaper.navodayatimes.in/c/75173748

हकेंवि में बढ़ायी दाखिलों की ऑनलाइन पंजीकरण तिथि

महेंद्रगढ़, 31 मई (हप्र)

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण की तिथि 31 मई 2024 से बढ़ाकर अब 15 जून, 2024 कर दी गई है। इसके साथ ही पंजीकरण में संशोधन के लिए आगामी 16 जून से 18 जून 2024 तक करेक्शन विंडो अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी बढ़ी हुई तारीख के माध्यम से लाभांवित होंगे।

■ अब 15 जून तक कर सकेंगे ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढ़ेवा ने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं। विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। इसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के लिए आनलाइन पंजीकरण तिथि बढ़ी

संवाद सहयोगी, जागरण • महेंद्रगढ़ : हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय (हकेंवि), महेंद्रगढ़ के शैक्षणिक सत्र 2024-25 के अंतर्गत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण की तिथि 31 मई से बढ़ाकर अब 15 जून कर दी गई है। इसके साथ ही पंजीकरण में संशोधन के लिए आगामी 16 जून से 18 जून 2024 तक करेक्शन विंडो अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी बढ़ी हुई तारीख के माध्यम से लाभांवित होंगे। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल आफिसर डा. तेजपाल ढ़ेवा ने कहा कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया बढ़ाई गई है। इसके साथ-साथ अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 16 से 18 जून तक करेक्शन विंडो भी अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी। इसमें अभ्यर्थी आनलाइन माध्यम से रजिस्ट्रेशन फार्म में संशोधन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार।

विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद् शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया हेतु अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। जिसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे। विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डा. तेजपाल ढ़ेवा, डा. सिद्धार्थ शंकर राय व डा. सुशील कुमार द्वारा किया जा रहा है।

स्नातकोत्तर में दाखिले के लिए पंजीकरण अब 15 जून तक

संवाद न्यूज एजेंसी

महेंद्रगढ़। हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए पंजीकरण की तिथि अब 31 मई से बढ़ाकर 15 जून कर दी गई है। साथ ही पंजीकरण में संशोधन के लिए आगामी 16 से 18 जून तक करेक्शन विंडो अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी।

विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थी बढ़ी हुई तारीख का लाभ उठा सकेंगे। दाखिला प्रक्रिया के संबंध में विश्वविद्यालय के सीयूईटी के नोडल ऑफिसर डॉ. तेजपाल ढेवा ने बताया कि स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा कार्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने के पश्चात विश्वविद्यालय में दाखिला लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया की 15 जून कर दी गई है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 16 से 18 जून तक करेक्शन विंडो भी खुली रहेगी। इसमें अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से रजिस्ट्रेशन फॉर्म में संशोधन कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में सीयूईटी 2024 के तहत स्नातकोत्तर व पीजी डिप्लोमा के 41 कार्यक्रमों के अंतर्गत कुल 1482 सीटें उपलब्ध हैं।

प्रो. टंकेश्वर कुमार कुलपति।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।

16 से 18 जून तक अभ्यर्थियों के लिए खुली रहेगी करेक्शन विंडो

विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं परिषद शाखा की ओर से पंजीकरण के पश्चात दाखिले की आगे की प्रक्रिया के लिए अलग से कार्यक्रम घोषित किया जाएगा। इसके आधार पर पंजीकृत आवेदकों को दाखिले के अवसर उपलब्ध होंगे।

विश्वविद्यालय में दाखिले के इच्छुक आवेदक अधिक जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट से प्राप्त कर सकते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-25 की सीयूईटी की प्रवेश प्रक्रिया का संयोजन डॉ. तेजपाल ढ़ेवा, डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय व डॉ. सुशील कुमार की ओर से किया जा रहा है।

204 SEATS ALLOTTED IN FOUR B.TECH. PROGRAMS UNDER JOSAA IN CUH

MAHENDRAGARH : Seats have been allotted under the first round of counselling in the B.Tech. programs at Central University of Haryana (CUH) Mahendragarh. Joint Seat Allocation Authority (JOSAA) conducts counselling in Central University of Haryana. Seats have been allotted under four B.Tech. programs i.e. Civil Engineering, Computer Science and Engineering, Electrical Engineering and Printing and Packaging Technology.

Dr. Vishal Pasricha, Nodal Officer of JOSAA admission in the University said that counselling in the University was organized for a total of 210 seats under JOSAA. Out of these 204 seats have been allotted. Among them, 57 out of 60 seats in Civil Engineering, 59 out of 60 each in Computer Science and Engineering and Electrical Engineering and 29 out of 30 seats in Printing and Packaging